RNI No. GUJHIN/2011/39228

गरवी गुजरात

GARVI GUJARAT

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 145
दि. 24.09.2025,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

भारत के राष्ट्रपति ने 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किए

श्री मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया गया।

किसी भी फिल्म के लिए लोकप्रियता अच्छी बात हो सकती है, लेकिन जनहित में होना, विशेषकर युवा पीढ़ी के लिए, उससे भी बेहतर है: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

(जीएनएस)।

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (23 सितंबर, 2025) नई दिल्ली में विभिन्न श्रेणियों में 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने श्री मोहनलाल को वर्ष 2023 का दादा साहब फाल्के पुरस्कार भी प्रदान किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, राष्ट्रपति ने पुरस्कार विजेताओं के साथ-साथ दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित श्री मोहनलाल को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि मोहनलाल जी ने कोमल से कोमल और कठोर से कठोर भावनाओं को सहजता से अभिनित करके एक संपूर्ण अभिनेता की छवि बनाई है।

राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि महिला-केंद्रित अच्छी फिल्में बन रही हैं और पुरस्कृत भी हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हम देखते हैं कि महिलाएँ किसी न किसी हद तक गरीबी, पितृसत्ता या पूर्वाग्रह से जूझती हैं। उन्होंने बताया कि आज पुरस्कृत फिल्मों में अपने बच्चों के नैतिक मूल्यों को गढ़ने वाली माताओं, सामाजिक रूढ़ियों का सामना करने के लिए एकजुट होती महिलाओं, घर, परिवार और सामाजिक व्यवस्था की जटिलताओं के बीच महिलाओं की दुर्दशा, और पितृसत्ता की असमानताओं के विरुद्ध आवाज उठाने वाली साहसी महिलाओं की कहानियाँ शामिल हैं। उन्होंने ऐसे संवेदनशील फिल्म निमार्ताओं की सराहना की।

राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म उद्योग अपनी सबसे प्रभावशाली और लोकप्रिय कला के माध्यम से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और सबसे विविध समाज का प्रतिनिधित्व करता है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि सिनेमा से जुड़े हर व्यक्ति में एक भारतीय चेतना, एक भारतीय संवेदनशीलता है जो सभी स्थानीय संदर्भों को जोड़ती है। जिस प्रकार भारतीय साहित्य अनेक भाषाओं में रचा जाता है, उसी प्रकार भारतीय सिनेमा भी अनेक भाषाओं, बोलियों, क्षेत्रों और स्थानीय परिवेशों में विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी फिल्में स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों हैं।

राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि सिनेमा सिर्फ. एक उद्योग नहीं है बल्कि उनकी समाज और राष्ट्र में जागरूकता बढ़ाने तथा नागरिकों को ज्यादा संवेदनशील बनाने का एक सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि किसी फिल्म के लिए लोकप्रियता

राज्य की महानगर पालिकाओं के लिए 200 करोड़ रुपए के बजट प्रावधान के साथ मुख्यमंत्री ग्रीन रिंग रोड विकास योजना की कार्यपद्धति घोषित

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने जलवायु-अनुकूल और टिकाऊ इंफ्रास्ट्रक्चर को प्रोत्साहन देकर सुव्यवस्थित शहरी परिवहन और कुशल रोड नेटवर्क की योजना के क्रियान्वयन के लिए एसओपी को दी अनुमति

गांधीनगर, 23 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य की महानगर पालिकाओं में क्लाइमेट रेजिलिएंट यानी जलवायु-अनुकूल और सस्टेनेबल (टिकाऊ) इंफ्रास्ट्रक्चर को प्रोत्साहन देकर सुव्यवस्थित शहरी परिवहन और कुशल सड़क नेटवर्क के लिए मुख्यमंत्री ग्रीन रिंग रोड विकास योजना के क्रियान्वयन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को अनुमति दी है।

राज्य सरकार ने शहरी क्षेत्र में शहरी स्थानीय निकायों द्वारा विकसित किए जाने वाले ऐसे ग्रीन रिंग रोड के लिए 200 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य शहर के मुख्य हिस्से में प्रवेश किए बिना शहर के विभिन्न हिस्सों के बीच तेज कनेक्टिविटी प्रदान करना और शहरों के केंद्र से यातायात दबाव को दूर करने के लिए शहर के चारों ओर रिंग रोड विकास के जरिए कनेक्टिविटी प्रदान करना है। इतना ही नहीं, शहरी क्षेत्रों में बढ़ते यातायात दबाव का अत्याधुनिक और स्मार्ट तकनीक के जरिए डायवर्जन, नियंत्रण और प्रबंधन करने जैसे मुद्दे भी इसमें शामिल किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में ग्रीन रिंग रोड विकास योजना की एसओपी तैयार करने के लिए प्रधान सचिव की अध्यक्षता में इस क्षेत्र के जानकार, अनुभवी और आवश्यक कौशल वाले विशेषज्ञों की एक एडवाइजरी कमेटी का गठन किया गया था। इस विशेषज्ञ कमेटी की सिफारिशों के अनुसार ऐसे रिंग रोड के निर्माण में अत्याधुनिक ग्रीन-क्लीन कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी और सामग्रियों के अधिक से अधिक इस्तेमाल को प्रोत्साहन देने का उद्देश्य भी रखा गया है। रिंग रोड विकास योजना की एसओपी में शहरों की सुंदरता और पर्यावरण अनुकूल मूल्यों में वृद्धि करने के साथ-साथ सुदृढ़ और न्यूनतम रखरखाव वाले इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण शामिल किया गया है।

ग्रीन रिंग रोड के लिए सस्टेनेबल इंटीग्रेशन के अंतर्गत केरेज-वे, मीडियन और शोल्डर्स, ड्रेनेज और बरसाती पानी का प्रबंधन, रोड यूटिलिटीज, वृक्षारोपण, यातायात प्रबंधन और सड़क सुरक्षा सुविधाओं को भी शामिल किया गया है।

एसओपी में यह भी प्रावधान किया गया है कि योजना के तहत जिन महानगरों में ग्रीन रिंग रोड का विकास किया जाएगा, वहां नवीन संसाधनों पर आवश्यकता को कम करने तथा सरक्युलर इकोनॉमी को गति देने के लिए सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली कुल सामग्रियों का 25 फीसदी रिसाइकिल मटेरियल के उपयोग को प्राथमिकता दी जाएगी।

इसके अलावा, महानगर पालिकाओं को सुझाव दिए गए हैं कि वे इस प्रकार से योजना बनाएं, जिसमें ऐसे ग्रीन रिंग रोड प्रोजेक्ट में खपत होने वाली कुल ऊर्जा में से अधिकतम रिन्यूएबल एनर्जी का उपयोग हो सके।

इस ग्रीन रिंग रोड के विकास के लिए प्रोजेक्ट की जटिलता और पैमाने को ध्यान में रखते हुए ग्रीन रिंग रोड प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी गाइडलाइन और निर्धारित एसओपी का पालन करना होगा। प्रोजेक्ट से संबंधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की टेक्निकल और एन्वायर्नमेंटल समीक्षा भी करनी होगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शहरी विकास वर्ष 2025 के माध्यम से स्मार्ट और सस्टेनेबल शहरों के निर्माण का जो विजन दिया है, उसे यह मुख्यमंत्री ग्रीन रिंग रोड विकास योजना जलवायु-अनुकूल रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए एक नई दिशा देगी।

उत्तर प्रदेश व गुजरात में उपज खरीदी के लिए दी मंजूरी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उत्तर प्रदेश व गुजरात में उपज खरीदी के लिए दी मंजूरी

किसानों से उड़द, तूर की शत-प्रतिशत खरीद के लिए श्री शिवराज सिंह ने दी स्वीकृति

उत्तर प्रदेश में मूंग, तिल, मूंगफली और गुजरात में सोयाबीन, मूंग व मूंगफली भी खरीदने की मंजूरी

किसानों के हित में पूरी खरीद प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से करने के श्री शिवराज सिंह ने दिए निर्देश

दोनों राज्यों में 13,890.60 करोड़ रु. की उपज खरीदी से किसानों को होगा फायदा- श्री शिवराज सिंह

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ 2025-26 के लिए उत्तर प्रदेश और गुजरात में प्रमुख दलहन एवं तिलहन फसलों की खरीद को स्वीकृति दी है। किसानों से उड़द व तूर की शत-प्रतिशत खरीद के लिए श्री शिवराज सिंह ने मंजूरी दी है, वहीं उत्तर प्रदेश में मूंग, तिल, मूंगफली तथा गुजरात में सोयाबीन, मूंग व मूंगफली भी खरीदने की अनुमति प्रदान की है। किसानों के हित में पूरी खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से करने के लिए श्री शिवराज सिंह ने इन राज्यों को निर्देश दिए, साथ ही कहा कि दोनों राज्यों में 13,890.60 करोड़ रु. की उपज खरीदी से किसानों को लाभ होगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज हुई वर्चुअल बैठक में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्यप्रताप शाही तथा गुजरात के कृषि मंत्री श्री राघवजी पटेल शामिल थे, वहीं केंद्रीय कृषि सचिव डा. देवेश चतुवेर्दी तथा केंद्र व दोनों राज्य सरकारों के वरिष्ठ कृषि अधिकारी भी बैठक में सम्मिलित हुए। बैठक में श्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के हित में पूरी खरीद प्रक्रिया पारदर्शी, डिजिटल व सुचारू रूप से की जाएं, जिस पर दोनों राज्यों के कृषि मंत्रियों ने कहा कि उपज खरीद आधुनिक बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण व पीओएस मशीन व्यवस्था के साथ डिजिटल पोर्टलों के जरिए होगी।

बैठक में उत्तर प्रदेश के प्रस्ताव पर चर्चा के बाद केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने राज्य में उड़द 2 लाख 27 हजार 860 मीट्रिक टन (100%) खरीद को स्वीकृति प्रदान की, जिसका मूल्य 1777.30 करोड़ रुपये रहेगा। तूर की भी शत-प्रतिशत 1,13,780 मीट्रिक टन खरीद के लिए केंद्र की ओर से श्री शिवराज सिंह ने मंजूरी दी है, जिसकी कीमत 910.24 करोड़ रु. रहेगी।

भारतीय नौसेना एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी श्रृंखला के दूसरे जहाज 'आन्द्रोत' को अपने बेड़े में शामिल करने के लिए तैयार

भारत की बढ़ती समुद्री आत्मनिर्भरता का उज्ज्वल प्रतीक

(जीएनएस)।

भारतीय नौसेना 06 अक्टूबर, 2025 को विशाखापत्तनम स्थित नौसेना डॉकयार्ड में अपने दूसरे अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्धक उथले पानी के जहाज (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी), 'आन्द्रोत' को कमीशन करने के लिए तैयार है। इस अवसर पर आयोजित भव्य समारोह की अध्यक्षता पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर करेंगे। यह आयोजन सोलह एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी जहाजों की श्रृंखला में दूसरे पोत को भारतीय नौसेना में औपचारिक रूप से सम्मिलित होने का प्रतीक होगा।

इस जहाज को कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड ने तैयार किया है। 'आन्द्रोत' जहाज 80% से अधिक स्वदेशी घटकों के साथ निर्मित है। यह भारत सरकार की आत्मनिर्भरता की दृष्टि का सशक्त

प्रमाण है और देश की बढ़ती समुद्री आत्मनिर्भरता का उज्ज्वल प्रतीक है। यह जहाज नौवहन महानिदेशालय के मार्गदर्शन और कोलकाता स्थित युद्धपोत निरीक्षण दल की कड़ी देखरेख में बनाया गया है। इसका पहला जहाज 13 सितंबर, 2025 को औपचारिक रूप से भारतीय नौसेना को सौंपा गया।

इस जहाज का नाम आन्द्रोत होना सामरिक और प्रतीकात्मक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। इसका नामकरण लक्षद्वीप समूह के आन्द्रोत द्वीप के नाम पर किया गया है, जो भारत की विशाल समुद्री क्षेत्रों की सुरक्षा और संरक्षा के प्रति अटूट वचनबद्धता को प्रदर्शित करता है।

इसके पूर्ववर्ती स्वरूप में आईएनएस आन्द्रोत (पी69) ने सेवामुक्त होने से पहले 27 वर्षों तक राष्ट्र की विशिष्ट एवं गौरवपूर्ण सेवा की। नये 'आन्द्रोत' का कमीशन, उसके पिछले अवतार की गौरवशाली विरासत और अदम्य भावना को सम्मान एवं निरंतरता प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के समक्ष नागरिकों की प्रस्तुतियों-शिकायतों के ऑनलाइन निवारण का राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम 25 सितंबर गुरुवार को आयोजित होगा

गांधीनगर, 23 सितंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में हर महीने आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय 'स्वागत' ऑनलाइन जन शिकायत निवारण कार्यक्रम अंतर्गत सितंबर महीने का राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम गुरुवार 25 सितंबर, 2025 को आयोजित होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से वर्ष 2003 से शुरू हुए 'स्वागत' ऑनलाइन जन शिकायत निवारण कार्यक्रम अंतर्गत हर महीने यह राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसी उपक्रम में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में सितंबर 2025 का राज्य स्तरीय 'स्वागत' ऑनलाइन जन शिकायत निवारण कार्यक्रम 25 सितंबर गुरुवार को आयोजित होने वाला है।

शिपयार्ड विकसित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर किये हस्ताक्षर

सरकार के समुद्री अमृत काल विजन 2047 के तहत, रक्षा मंत्रालय के रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने भारत के पूर्वी तट पर एक विश्व स्तरीय ग्रीनफील्ड शिपयार्ड के विकास की संभावनाओं का पता लगाने के लिए 19 सितंबर, 2025 को निवेश संवर्धन और सुविधा के लिए राज्य की नोडल एजेंसी, गाइडेंस तमिलनाडु के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। गुजरात के भावनगर में पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) द्वारा आयोजित समारोह में एमडीएल के निदेशक (जहाज निर्माण) श्री बीजू जॉर्ज और गाइडेंस तमिलनाडु के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ डॉ. दारेज अहमद, आईएएस के बीच समझौता ज्ञापन पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए गए

पुनर्वास महानिदेशालय ने नई दिल्ली में सशस्त्र बल अधिकारियों के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्रालय के पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के पुनर्वास महानिदेशालय ने 22 सितंबर, 2025 को यूनाइटेड सर्विसेज इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए एक रोजगार मेले का आयोजन किया। इस मेले का उद्देश्य रोजगार के अवसरों की तलाश कर रहे सेवानिवृत्त/सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों और कॉर्पोरेट संस्थाओं को एक साथ लाना था। इस रोजगार मेले में 26 कंपनियों ने 100 से अधिक रिक्तियों की पेशकश की और रोजगार की तलाश कर रहे सशस्त्र बलों के 300 से अधिक अधिकारियों ने इसमें भाग लिया।

इस आयोजन ने अधिकारियों को

प्रदर्शन करने का एक मंच प्रदान किया। चुने गए अधिकारियों का साक्षात्कार/स्क्रीनिंग की जाएगी और उसके बाद उन्हें पर्यवेक्षी, तकनीकी, प्रबंधन एवं प्रशासन और रणनीतिक सलाहकार जैसे विभिन्न पदों पर नियुक्त किया जाएगा।

यह पहल अनुभवी, अनुशासित और कुशल अधिकारियों की स्क्रीनिंग करके कॉर्पोरेट्स को लाभान्वित करने में सक्षम बनाती है। यह रोजगार मेला पूर्व सैनिकों के लिए दूसरे करियर के अवसर प्रदान करने हेतु पुनर्वास महानिदेशालय के निरंतर प्रयासों का एक हिस्सा है।

केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की पहल महिला स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और आयुर्वेदिक कल्याण को बढ़ावा देती है

सीएआरआई नई दिल्ली ने राष्ट्रव्यापी पहुंच के माध्यम से "लोगों और पृथ्वी के लिए आयुर्वेद" थीम के साथ 10वां आयुर्वेद दिवस मनाया

(जीएनएस)।

दसवें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में, आयुष मंत्रालय के केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के तत्वावधान में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई) ने "लोगों और पृथ्वी के लिए आयुर्वेद" विषय के प्रभावी प्रसार के लिए कई कार्यक्रमों और आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन किया। ये पहल आयुर्वेद द्वारा स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने और व्यापक आयुष इको-सिस्टम में योगदान देने के लिए सीएआरआई की प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं।

सीएआरआई, नई दिल्ली के तकनीकी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ जनसभाओं में आयुर्वेद शपथ ली गई। समारोह की शुरूआत संस्थान की निदेशक डॉ. भारती के परिचयात्मक भाषण से हुई। प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत स्वास्थ्य में सुधार और पर्यावरण संरक्षण के लिए आयुर्वेद-आधारित सिद्धांतों को अपनाने का संकल्प लिया। सीएआरआई, नई दिल्ली द्वारा 10.09.2025 से 23.10.2025 तक एक आयुर्वेद एक्सपो का भी आयोजन किया गया। इस दौरान आयुर्वेद के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सूचना एवं संचार सामग्री वितरित की गई। आयुर्वेद पुस्तकों की एक विस्तृत श्रृंखला भी प्रदर्शित की गई।

प्रख्यात आयुर्वेद चिकित्सकों द्वारा व्याख्यानों की श्रृंखला प्रस्तुत की गई। इन सत्रों में आयुर्वेद दिवस की थीम "आयुर्वेद फॉर पीपल एंड प्लैनेट" की शुरूआत, वृद्धावस्था देखभाल में आयुर्वेद की भूमिका, आहार एवं पोषण, रोगों की रोकथाम में पंचकर्म, मौसमी आहार एवं जीवनशैली में बदलाव, महिलाओं की स्वास्थ्य सेवा के लिए दैनिक आयुर्वेद, और मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद पर ध्यान केंद्रित किया गया। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान 2025 के अंतर्गत, सीएआरआई नई दिल्ली और उसकी परिधीय शाखाओं की आयुर्वेद उपचार इकाइयों ने एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें महिलाओं के जीवन के विभिन्न चरणों और समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के तरीकों पर व्याख्यान दिए गए। ओपीडी के दौरान, महिला रोगियों को प्राथमिकता दी गई और रक्त हीमोग्लोबिन के स्तर में सुधार के लिए आयुर्वेदिक दवाएं वितरित की गईं।

सम्पादकीय

आयुर्वेद का बढ़ता महत्व

भारत सरकार ने हर वर्ष 23 सितम्बर को आयुर्वेद दिवस मनाने का पैसला किया है। इससे पूर्व यह दिवस धनतेरस के दिन मनाया जाता था। आयुर्वेद की वैश्विक पहचान कायम करने के लिए यह निर्णय लिया गया बताया। इस वर्ष की थीम आयुर्वेद जन जन एवं पृथ्वी के कल्याण के लिए है रखी गई है। इस थीम का उद्देश है कि आयुर्वेद सिर्प मनुष्यों के लिए ही नहीं बल्कि विश्व की वनस्पतियों और प्रवृति के संरक्षण के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सरकार की अगले वर्षो में इसे और बड़े स्तर पर मनाने की योजना है ताकि विश्वभर में आयुर्वेद को लेकर जागरूकता बढ़े और इसकी वैज्ञानिक मान्यता मजबूत हो। आयुष मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 2024 में आयुर्वेद दिवस पर लगभग 150 देशों में गतिविधियों का आयोजन किया गया जो आयुर्वेद की बढ़ती वैश्विक पहुंच की पुष्टि करता हैं। इस वर्ष यह संख्या और भी अधिक होने की उम्मीद है। इस साल का मुख्य आयोजन अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान गोवा में होगा। गोवा, जो पर्यटन और वेलनेस के क्षेत्र में पहले ही एक अंतरराष्ट्रीय पहचान रखता है, अब भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली का वैश्विक द्वार बन गया है। आयुर्वेद को हमारे देश में सेहत का खजाना कहा जाता है। आयुर्वेद की जड़ी-बूटी अपने भीतर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के कई गुण समेटे हुए है। आज दुनिया में भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धति का डंका बज रहा है। विश्व के सभी देशों में आयुर्वेद पहुंच गया है। आयुर्वेद न केवल शारीरिक स्वास्थ्य, बल्कि समग्र स्वास्थ्य के बारे में बात करता है। बारिश के मौसम में बीमारियां भी जल्दी पकड़ लेती हैं। सदा-जुकाम, बुखार, स्किन इंपेक्शन, पेट की समस्याएं और इम्युनिटी कमजोर होना आम बात हो जाती है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपनी सेहत का खास ध्यान रखें। अगर आप बिना दवा के इन परेशानियों से दूर रहना चाहते हैं, तो आयुव्रेदिक नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं। आयुर्वेद में वुछ ऐसे आसान और असरदार उपाय बताए गए हैं, जो मॉनसून के मौसम में आपकी इम्युनिटी बढ़ाने और बीमारियों से बचाने में काफी कारगर साबित हो सकते हैं। आयुर्वेद के घरेलू नुस्खे इतने ज्यादा कारगर हैं कि डॉक्टर और मेडिकल साइंस भी उन्हें मानने से मना नहीं करते हैं। हल्दी वाला दूध हो या नमक मिले गरम पानी के गरारे जुकाम और गले दर्द में दोनों ही कारगर इलाज है। अदरक को पानी में उबालकर और फिर शहद के साथ खाया जाए तो यह कफ, गले में खराश और गला खराब होने की दिक्कत से छुटकारा दिला सकती है। अदरक को शहद के साथ खाने से गले में होने वाली सूजन और जलन में भी राहत मिलती है। इसी भांति अजवायन, लोंग, काली मिर्च, तुलसी गिलोय, मलेठीयुत्त पान, शहद, दालचीनी आदि के नुस्खे भी संजीवनी साबित हुए है। उल्टा लेटकर ऑक्सीजन प्राप्त करने के नुस्खे को एलोपेथी की मान्यता मिली है। यही नहीं इनमें से ज्यादातर नुस्खों का कोई साइड इपेक्ट नहीं होता। आयुर्वेद का जन्म लगभग पांच हजार वर्ष पहले भारत में हुआ था। इस औषधि का वर्णन करने वाले प्राचीन ग्रंथ 1500 ईसा पूर्व के हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भी आयुर्वेद को एक पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के रूप में स्वीकार किया गया है।

स्टार्टअप कॉन्क्लेव-2025 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के माइंड टु मार्केट के विचार को सार्थक करने का मंच बनेगा : केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

- पिछले एक दशक में स्टार्टअप्समें 380 प्रतिशत की वृद्धि के साथ भारत विश्व का तीसरी सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बना
- देश में आज 1.92 लाख से अधिक स्टार्टअप्स तथा 120 से अधिक यूनिकॉर्न्स हैं, जिनकी कुल वैल्यू 350 बिलियन डॉलर से भी अधिक है
- आगामी तीन वर्षों में भारत को ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में शीर्षस्थ 10 देशों में स्थान दिलाने का संकल्प
- भारत में मिलियन्स ऑफ प्रॉब्लेम्स होंगी, परंतु उनके समक्ष बिलियन्स ऑफ प्रॉब्लेम सॉल्वर्स भी हैं
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी तथा स्किल्ड वर्कफोर्स के अधिकतम उपयोग से भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए 'मेक इन इंडिया-मेड फॉर द वर्ल्ड' का विजन दिया : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल
- मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-
- प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे बड़े अभियानों की सफलता के कारण इंडस्ट्री, इकोनॉमी एवं स्टार्टअप्स आदि सेक्टर्स को गति मिली है
- स्वदेशी, आत्मनिर्भरता व इनोवेशन को प्रोत्साहन तथा रोजगार सृजन एवं एंटरप्राइजिंग को गति देने और विकसित भारत के निर्माण के लिए देश में स्टार्टअप्स जरूरी हैं
- महात्मा मंदिर-गांधीनगर में दो दिवसीय 'स्टार्टअप कॉन्क्लेव तथा एग्जीबिशन-2025' का प्रारंभ

गांधीनगर, 23 सितंबर :केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने मंगलवार को गांधीनगर में 'स्टार्टअप कॉन्क्लेव-2025' का प्रारंभ कराते हुए कहा कि यह कॉन्क्लेव प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के माइंड टु मार्केट के विचार को सार्थक करने का मंच सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में पिछले एक दशक में स्टार्टअप्स की संख्या में 380 प्रतिशत की वृद्धि के साथ आज भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम तथा डिजिटल इकोसिस्टम बना है।

श्री शाह ने गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में आयोजित दो दिवसीय 'स्टार्टअप कॉन्क्लेव तथा एग्जीबिशन-2025' का मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में शुभारंभ कराया। इसके बाद श्री शाह ने विभिन्न स्टार्टअप स्टॉल का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर उद्यमियों के साथ संवाद किया और उन्हे प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल तथा उद्योग मंत्री श्री बलवंतसिंह राजपूत भी उपस्थित रहे।

स्टार्टअप क्षेत्र में हुई क्रांति का श्रेय देश के युवा उद्यमियों को देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में केवल 500 के करीब स्टार्टअप्स और 4 ही यूनिकॉर्न्स थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के युवाओं में विद्यमान क्षमता को उजागर करने के लिए स्टार्टअप्स को दिए गए प्रोत्साहनों के फलस्वरूप आज देश में 1.92 लाख से भी अधिक स्टार्टअप्स

और 120 से अधिक यूनिकॉर्न्स कार्यरत हैं, जिनकी कुल वैल्यू 350 बिलियन डॉलर से भी अधिक होती है। परिणामस्वरूप आज भारत का युवा जॉब सीकर न रहते हुए जॉब गिवर बन रहा है। उन्होंने उद्योगपतियों तथा निवेशकों से युवाओं में विद्यमान इस क्षमता का लाभ लेने की अपील की।

स्टार्टअप कॉन्क्लेव के द्वितीय संस्करण के विषय में उन्होंने कहा कि लगातार दो दिन चलने वाले इस कॉन्क्लेव में भारत को हर क्षेत्र में सर्वोच्च बनाने तथा हर नागरिक के जीवन में समयानुकूल परिवर्तन लाने पर चिंता व चिंतन के माध्यम से समस्या के समाधान के लिए सात सत्रों में विचार-विमर्श किया जाएगा। वर्ष 2023 में स्टार्टअप कॉन्क्लेव के प्रथम संस्करण की सफलता के बाद यह दूसरा संस्करण देश-प्रदेश के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में अधिक सहायक सिद्ध होगा।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत 91वें स्थान पर था, लेकिन प्रधानमंत्री की निर्णायक एवं दूरदर्शी नीतियों के फलस्वरूप हाल ही में जारी हुए 2025 के ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत सीधे 38वें क्रम पर पहुँचा है, जो देश के युवाओं में व्याप्त क्षमता को दशार्ता है। युवाओं की इसी क्षमता को प्रोत्साहन देकर आगामी तीन वर्षों में भारत को ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में शीर्षस्थ 10 देशों में स्थान दिलाने में भी यह कॉन्क्लेव महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भारतीय ज्ञान प्रणाली (परंपरा) में स्वास्थ्य, विज्ञान, गणित, दर्शनशास्त्र सहित विभिन्न विषयों का श्रेष्ठ ज्ञान संचित पड़ा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ज्ञान का यह खजाना युवाओं के नए स्टार्टअप्स की मजबूत नींव बनेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि भारत में मिलियन्स ऑफ प्रॉब्लेम्स होंगी, लेकिन उनके समक्ष बिलियन्स ऑफ प्रॉब्लेम सॉल्वर्स भी हैं। इस प्रकार के आयोजनों से देश में इनोवेशन को गति तथा देश के युवाओं की क्रिएटिविटी को प्लेटफॉर्म मिलेगा, जिसके फलस्वरूप युवा प्रॉफिट से आगे बढ़कर आत्मनिर्भर भारत के सपने को सिद्ध करने में अधिकतम योगदान देंगे। वर्ष 2014 से पहले देश में टियर-2 व टियर-3 शहरों में स्टार्टअप्स की संख्या नहीं के बराबर थी। आज देश के कुल स्टार्टअप्स में 37 प्रतिशत इन्हीं शहरों से आते हैं।

श्री शाह ने गौरव के साथ कहा कि देश के कुल स्टार्टअप्स में 48 प्रतिशत महिलाओं ने तैयार किए हैं। मातृशक्ति-महिला उद्यमियों के पास हमेशा लक्ष्मीजी का वास होता है। उत्तर-पूर्व में लगभग 900 स्टार्टअप्स महिला संचालित हैं, जो आत्मनिर्भर भारत के लिए कार्यरत हैं। स्टार्टअप इकोसिस्टम के माध्यम से अब तक गौरव समान लगभग 19.70 लाख रोजगार उपलब्ध कराए गए हैं। टू टियर तथा थ्री टियर सिटी में प्रति वर्ष लगभग 9,000 स्टार्टअप शुरू होते हैं, जो देश का विकास दशार्ते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में वर्ष 2014 से स्टार्टअप्स को वित्तीय, इन्फ्रास्ट्रक्चर, नीतिगत व बैंकिंग सहयोग उपलब्ध हो रहा है। इसके लिए 10 हजार करोड़ रुपए के फंड ऑफ फंड का गठन किया गया है। स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन दने के लिए अधिकतम ऋण सीमा 10 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपए करने के साथ ही विभिन्न करों में भी छूट दी गई है। इसके अतिरिक्त; गुजरात सरकार भी स्टार्टअप्स को अनेक प्रकार की सहायता दे रही है, जिसके फलस्वरूप हर सर्जक अपना अलग स्टार्टअप बना रहा है। सरकार द्वारा मेक इन इंडिया तथा 14 प्रमुख क्षेत्रों में पीएलआई लाकर विभिन्न परियोजनाओं को प्रोत्साहन देने के लिए करोड़ों रुपए की सहायता की जा रही है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में शुरू किए गए मेक इन इंडिया तथा पीएलआई के माध्यम से विश्वभर के निवेशक भारत में निवेश कर रहे हैं। निवेशकों की सरलता के लिए देश में 3400 से अधिक कानूनों में फरबदल किया गया है।

श्री शाह ने जोड़ा कि हाल ही में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जीएसटी का सरलीकरण किया गया है। जब देशभर में जीएसटी का नया कानून लागू किया गया था, तब विभिन्न 15 करों को एकीकृत कर एक कर लागू करना एक सपने जैसी बात थी। देश के सभी राज्यों ने मिलकर 80 हजार करोड़ रुपए से जीएसटी कर की शुरूआत की थी। नए जीएसटी कानून के परिणामस्वरूप आज 80 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर 2 लाख रुपए करोड़ तक जीएसटी कलेक्शन पहुँचा है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था अधिक मजबूत बनी है। उन्होंने कहा कि शोषण के लिए नहीं, बल्कि देश के विकास के लिए कर आवश्यक हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि ये जीएसटी सुधार करदाता और सरकार के बीच एक सेतु साबित हुआ है। जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार आई थी, तब 2.5 लाख रुपए तक की आय पर टैक्स में छूट थी। आज देश के नागरिक को 12 लाख रुपए तक की आय पर किसी भी प्रकार का टैक्स नहीं देना पड़ता। जब देश की जनता ने ईमानदारी से टैक्स जमा किया है, तब-तब प्रधानमंत्री ने टैक्स कम करने का काम किया है। इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट, डिजिटल इंडिया और जैम (जनधन-आधार-मोबाइल) ट्रिनिटी, ये सभी स्टार्टअप क्षेत्र को आगे बढ़ाने में सहायक होते हैं। भारत नेट परियोजना के अंतर्गत भारत सरकार ने 2 लाख ग्राम पंचायतों को इंटरनेट से जोड़ा है।

उन्होंने आगे कहा कि पिछले चार वर्षों से गुजरात स्टार्टअप क्षेत्र में एक अग्रणी के रूप में काम करते हुए देश भर में प्रथम रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विचार को साकार करते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और उनकी टीम के मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों ने साथ मिलकर गुजरात को स्टार्टअप क्रांति का केंद्र बनाया है। देश के शीर्ष पांच राज्यों में गुजरात में 16,000 स्टार्टअप हैं। अकेला अहमदाबाद शहर 6650 स्टार्टअप के साथ शीर्ष-4 की सूची में शामिल है। गुजरात राज्य लगातार चार वर्षों से स्टार्टअप क्षेत्र में बेस्ट परफॉर्मर स्टेट का खिताब जीत रहा है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने स्टार्टअप कॉन्क्लेव-2025 में नए स्टार्टअप्स और युवाओं को प्रेरणादायी संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी और स्किल्ड वर्कफोर्स के अधिकतम उपयोग के जरिए भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए 'मेक इन इंडिया-मेड फॉर द वर्ल्ड' का विजन दिया है। भारत आज ग्लोबल स्टार्टअप स्पेस में एक नई उम्मीद के रूप में उभरकर सामने आया है, इसके पीछे आदरणीय प्रधानमंत्री का यह विशिष्ट विजन ही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के इस विजन के फलस्वरूप मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे बड़े अभियान सफल हुए हैं। इसके कारण इंडस्ट्री, इकोनॉमी और स्टार्टअप्स सहित सभी क्षेत्रों को गति मिली है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत अभियान को तेजी देने वाले डिफेंस सेक्टर में मेड इन इंडिया उत्पादों की मांग दुनिया के अन्य देशों में बढ़ गई है और भारत में बने शस्त्रों और सब-सिस्टम सहित सभी वस्तुओं को गत वर्ष 80 देशों को निर्यात किया गया है।

उन्होंने कहा कि एक समय देश का खिलौना उद्योग आयात पर निर्भर था। प्रधानमंत्री ने मन की बात में स्वदेशी खिलौनों को प्रोत्साहन देने का आह्वान किया। इसके परिणामस्वरूप देश का खिलौना उद्योग अब वैश्विक बाजार में चमक रहा है और हमारे खिलौने दुनिया के 153 देशों को निर्यात किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपीआई से डिजिटल लेनदेन के मामले में भी भारत अग्रणी देश है। आज छोटे से छोटा धंधा-रोजगार करने वाला व्यक्ति

पशु स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद और पीवी नरसिम्हा राव तेलंगाना पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय के केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) और पीवी नरसिम्हा राव तेलंगाना पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय (पीवीएनआरटीवीयू), राजेंद्रनगर, हैदराबाद के बीच पशु चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने संबंधी एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

समझौता ज्ञापन पर सीसीआरएएस की ओर से सीसीआरएएस-राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान हैदराबाद के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. गोली पेंचला प्रसाद और पीवीएनआरटीवीयू की ओर से रजिस्ट्रार प्रो. ए. शरतचंद्र अमरावती ने हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर समारोह में पीवीएनआरटीवीयू के कुलपति प्रो. एम. ज्ञान प्रकाश और सीसीआरएएस के उप महानिदेशक डॉ. नारायणम श्रीकांत सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया जिनमें पीवीएनआरटीवीयू के अनुसंधान निदेशक डॉ. हरिकृष्ण, निदेशक, छात्र मामले डॉ. सतीश कुमार , डीन संकाय डॉ. एम. उदय कुमार, निदेशक, विस्तार डॉ. एम. किशन कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. जयलक्ष्मी, एसोसिएट प्रोफेसर, पशु चिकित्सा सार्वजनिक स्वास्थ्य और महामारी विज्ञान विभाग डॉ. बीसम श्रीनिवास, तथा सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच, हैदराबाद के अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) डॉ. साकेत राम श्रीगुल्ला और डॉ. संतोष माने शामिल हुए।

समझौते के मुख्य बिंदु

संयुक्त अनुसंधान और शैक्षणिक कार्यक्रमः दोनों संस्थानों के संकाय, शोधकर्ता और वैज्ञानिक पारस्परिक हित के क्षेत्रों में सहयोगी परियोजनाएं आरंभ करेंगे, जिसमें ट्रांसलेशनल अनुसंधान (वैज्ञानिक खोजों के स्वास्थ्य संबंधी लाभकारी अनुप्रयोग) पशुधन प्रबंधन और पोषण, तथा पशुओं के लिए नवीन निदान और चिकित्सा के विकास पर जोर रहेगा।

ज्ञान और ढांचागत सुविधा साझा करनाः संयुक्त समन्वय समिति (सीसी) के अनुमोदन से अनुसंधान ढांचे और पशु सुविधाओं तक पारस्परिक पहुंच होगी जिससे सहयोगात्मक कार्य के लिए विशेष संसाधनों का उपयोग बढ़ाया जा सकेगा।

छात्र और शिक्षकों का आदान-प्रदानः सीसीआरएएस के वैज्ञानिकों को पीवीएनआरटीवीयू में पशु चिकित्सा विज्ञान में स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों के लिए सहायक संकाय या सह-मार्गदर्शक के रूप में नियुक्त किया जा सकेगा और वहां के संकाय सीसीआरएएस में अपनी विशेषज्ञता सेवा देंगे। समझौता ज्ञापन के तहत पीवीएनआरटीवीयू के छात्रों को व्याख्यान, व्यावहारिक प्रदर्शन और परियोजना कार्य के लिए सीसीआरएएस प्रयोगशालाओं में जाने की सुविधा मिलेगी। इसके अतिरिक्त स्नातक छात्रों को खाद्य विज्ञान, स्वास्थ्य और अनुसंधान पद्धतियों में अनुसंधान अनुभव प्राप्त होगा।

प्रकाशन और बौद्धिक संपदाः शोध निष्कर्षों को ओपन-एक्सेस पत्रिकाओं में प्रकाशित किया जाएगा, जिसमें दोनों संस्थानों के योगदानकताओं को श्रेय दिया जाएगा। संयुक्त परियोजनाओं से उत्पन्न बौद्धिक संपदा पर संयुक्त स्वामित्व होगा, और योगदान के अनुसार आनुपातिक रूप से वित्तीय लाभ साझा किए जाएंगे।

आरंभ में पांच वर्षों के लिए यह गैर-वित्तीय समझौता ज्ञापन पशु और मानव स्वास्थ्य की गंभीर चुनौतियों के समाधान में आधुनिक पशु चिकित्सा विज्ञान को पारंपरिक आयुर्वेदिक ज्ञान के साथ समेकित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस साझेदारी से पशु कल्याण और पशुधन उत्पादन में नवीन समाधान प्राप्त होने की संभावना है, जिससे व्यापक "वन हेल्थ" अवधारणा को बढ़ावा मिलेगा।

आयुष मंत्रालय ने एआईआईए गोवा में ₹लोगों और ग्रह के लिए आयुर्वेद₹ विषय के साथ 10वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय ने आज अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), गोवा में 10वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह मनाया। इस कार्यक्रम में गोवा के राज्यपाल श्री अशोक गजपति राजू, गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव और केंद्रीय विद्युत एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्री श्रीपद येसो नाइक सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यह समारोह आयुर्वेद को स्वास्थ्य और कल्याण की एक समग्र प्रणाली के रूप में बढ़ावा देने के मंत्रालय के निरंतर प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, जो स्थायित्व और प्राकृतिक जीवन पर आधारित है।

इस अवसर पर बोलते हुए, गोवा के राज्यपाल, श्री अशोक गजपति राजू ने आयुर्वेद के वैश्विक विकास का उल्लेख किया और कहा कि एक दशक से भी कम समय में, आयुर्वेद दिवस एक राष्ट्रीय अनुष्ठान से एक वैश्विक स्वास्थ्य आंदोलन में विकसित हो गया है। उन्होंने बताया कि अब 150 से ज्यादा देश इस दिवस को मनाते हैं और आयुर्वेद को न केवल एक वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति के रूप में, बल्कि एक व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के रूप में मान्यता देते हैं। श्री राजू ने इस वर्ष के विषय, "लोगों और ग्रह के लिए आयुर्वेद" की प्रशंसा करते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के लिए समय अनुसार प्रासंगिक बताया। उन्होंने आयुर्वेदिक ज्ञान की प्रामाणिकता को बनाए रखने के महत्व पर बल दिया और नमस्ते पोर्टल तथा आयुष एचएमआईएस जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाया, जो पहुँच और साक्ष्य-आधारित अभ्यास को बढ़ा रहे हैं।

राज्यपाल ने आयुर्वेद-आधारित स्वास्थ्य पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने की गोवा की क्षमता के बारे में भी बात की। उन्होंने एआईआईए गोवा में एकीकृत कैंसर विज्ञान इकाई (इंटीग्रेटिव ऑन्कोलॉजी यूनिट) की स्थापना की सराहना की, जो टाटा मेमोरियल सेंटर के साथ एक सहयोगात्मक पहल है। इसका उद्देश्य समग्र कैंसर देखभाल के लिए आयुर्वेद को आधुनिक कैंसर विज्ञान के साथ एकीकृत करना है। श्री राजू ने गोवा की जैव विविधता के साथ पारंपरिक चिकित्सा के सम्मिश्रण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण का आह्वान किया और इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय औषधीय पौधों का संरक्षण और संवर्धन रोजगार को बढ़ावा दे सकता है और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकता है। उन्होंने आयुर्वेदिक उपचारों के वैज्ञानिक सत्यापन की अपील की और अनुसंधान एवं परंपरा पर आधारित नैतिक संवर्धन पर जोर दिया।

गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने मोटापा, मधुमेह और तनाव जैसी बढ़ती जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से निपटने में आयुर्वेद की समकालीन प्रासंगिकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दिनचर्या और ऋतुचर्या की समय-परीक्षित अवधारणाएँ निवारक स्वास्थ्य सेवा के लिए स्थायी आदर्श प्रदान करती हैं। डॉ. सावंत ने मोटापे के बढ़ते प्रचलन पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की चिंता का उल्लेख करते हुए कहा कि आयुर्वेद दीर्घकालिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए , संतुलित आहार, हर्बल औषधियाँ और योग जैसे सरल लेकिन शक्तिशाली उपाय प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने गोवा की समृद्ध जैव विविधता, विशेष रूप से पश्चिमी घाट और तटीय पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रकाश डाला, जहाँ पौराणिक आयुर्वेदिक ग्रंथों में वर्णित कई औषधीय पौधे पाए जाते हैं। उन्होंने वैश्विक आयुर्वेदिक अर्थव्यवस्था में गोवा की स्थिति को मजबूत करने के लिए इन पौधों पर शोध, संरक्षण और व्यावसायिक खेती बढ़ाने का आह्वान किया। डॉ. सावंत ने एक एकीकृत कैंसर विज्ञान केंद्र की स्थापना के लिए गोवा सरकार, टाटा मेमोरियल सेंटर और एआईआईए गोवा के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की घोषणा की।

फेस्टिवल सीजन में चेहरे पर बना रहेगा ग्लो, बस इन फेस पैक को करें ट्राई : शहनाज हुसैन

त्योहारों का सीजन शुरू हो गया हैं नवरात्रों के बाद करवा चौथ और दिवाली जैसे पवित्र त्योहार हमारे सामने हैं

फेस्टिव सीजन में हर कोई चाहता है कि उसका लुक निखरा हुआ हो और चेहरे पर खास चमक झलके ताकि त्योहारों की खुशी उनके चेहरे पर भी नजर आए। लेकिन बिजी शेड्यूल के कारण चेहरे पर ध्यान नहीं दे पाते हैं इस वजह से उनकी स्किन में कई समस्या उत्पन्न हो जाती है

इस दौरान हम साल में सबसे ज्यादा ब्यस्त रहते हैं पूजा पंडालों में देवी दर्शन के इलाबा गरबा , डांडिया आदि में भागीदारी से सामाजिक मेल जोल निरन्तर बना रहता है

त्योहारों की शॉपिंग और तैयारियों में हम लोग ज्यादातर घरों से बाहर रहते हैं जिसे त्वचा धूल , प्रदूषण और सूर्य की किरणों के सम्पर्क में आने से डल और बेजान हो जाती है

ऐसे में पुराने समय से इस्तेमाल होने वाले घरेलू नुस्खे आज भी कारगर साबित हो सकते हैं वो भी बिना किसी साइड इफेक्ट के।।

1 -ग्लिसरीन फेस मास्क--

बराबर मात्रा में ग्लिसरीन और गुलाब जल के साथ मिलाकर बने मिश्रण को चेहरे पर लगाने से त्वचा में नमी का सन्तुलन बना रहता है और त्वचा को पौषण मिलता है इसे लगाने के लिए आप बराबर मात्रा में गुलाब जल और ग्लिसरीन लें और अच्छे से मिक्स करें। रात को सोने से पहले इसे रुई की मदद से चेहरे पर लगा लें और सुबह ठंडे पानी से धो लें। इससे त्वचा कोमल और मुलायम दिखने लगेगी

1 चम्मच ग्लिसरीन में विटामिन ई कैप्सूल को तोड़कर अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इसे 30 मिनट के लिए छोड़ दें और अपने चेहरे को धो लें।

आप इस मास्क को रोजाना लगा सकते हैं। यह आपकी स्किन को मॉइस्चराइज करेगा। इससे खुले पोर्स बंद होंगे और झुर्रियां कम होंगी और चेहरे पर नेचुरल ग्लो नजर आएगा

एक कांच के कटोरे में एक अंडे का सफेद भाग लें और इसे तब तक फेंटें जब तक कि यह झागदार न हो जाए।

इसके बाद इसमें एक चम्मच ग्लिसरीन और एक चम्मच शहद डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें।

इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगा लें।

पैक को चेहरे पर तब तक लगा रहने दे जब तक यह सूख न जाए और बाद में

गुनगुने पानी से चेहरा साफ कर लें।

एक चम्मच एलोवेरा जेल में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर चेहरे पर लगाएं और आधा घण्टा तक छोड़ दें। फिर सादे ताजे पानी से धो लें। इससे त्वचा कोमल होगी और आपके चेहरे पर निखार झलकेगा

2 --ओटमील मास्क-

ओट्स ग्लूटन फ्री होता है

ओटमील एक बेहतरीन एक्सफोलिएटर और क्लींजर की तरह काम करता है

ओटमील की मदद से स्किन पर मौजूद एक्स्ट्रा ऑयल को हटाने में मदद मिलती है

ओटमील चेहरे के कालेपन को हटाकर रंगत में सुधार करता है

1 चम्मच ओटमील में 2 चम्मच ताजा एलोवेरा जेल को अच्छे से मिक्स करने के बाद चेहरे पर लगाएं और आधा घण्टा बाद इसे ताजे साफ पानी से धो डालें इस फेस पैक के इस्तेमाल से कील ,मुहांसों और

डेड स्किन की समस्या कम होगी और त्वचा में नमी का संतुलन बना रहेगा

कांच की कटोरी में 2 चम्मच पिसे हुए ओट्स, 1 चम्मच दही, और 1 चम्मच शहद को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें इस पेस्ट को आँखों के हिस्से को छोड़ कर बाकि चेहरे और गले के हिस्से में लगाकर प्रकृतिक रूप में सूखने दें जब मास्क सूख जाएए तो इसे गुनगुने पानी से धो लें

2 चम्मच ओटमील, 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच गुलाब जल को मिक्स करके फेस पैक तैयार करें और फिर इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। शहद और ओटमील का ये फेस पैक स्किन को सॉफ्ट और हेल्दी बनाता है।

3 -पपीता फेस पैक --

एक कटोरी में पके हुए पपीते की कुछ स्लागइस को मैश कर लें।

इसके बाद आप इस मैश किए हुए पपीते में 1 चम्मकच चंदन पाउडर डालकर दोनों को अच्छे से मिलाएं।

अब आप इस मिश्रण में 1 या 2 चम्मच ताजा एलोवेरा जेल और आवश्यमकता अनुसार गुलाबजल डाल कर अच्छे से मिला कर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें इस पैक को चेहरे और गर्दन पर अच्छे तरीके से लगा कर आधा घण्टा बाद गुनगुने पानी से धो डालें इस मास्क को नियमित रूप से लगाने से आपकी त्वेचा में चमक आएगी और आपकी त्वगचा मुलायम होगी।

एक कटोरी में दो चम्मच के बराबर पपीता मैश कर के इसमें 2 चम्मच दही 1 चम्मच शहद और . 1 चम्मच चावल का आटा मिला लें सभी चीजों को अच्छे से मिला कर स्मूथ पेस्ट तैयार कर लें इस पेस्ट को चेहरे पर लगा कर प्रकृतिक रूप से सूखने दें जब यह पूरी तरह सुख जाये तो चेहरे को ताजे साफ पानी से धो डालें इस फेस पैक को आप सप्ताह में दो तीन बार उपयोग कर सकते हैं

आधा कप मैश किया हुआ पपीता लेकर उसमें 2 चम्मच दही मिला लें इस पेस्ट को चेहरे पर 20 मिनट लगाएं और फिर धोकर हटा लें चेहरे को ठंडक मिलती है और स्किन निखरी हुई दिखती है

एक कप पिसे पपीते में आधा चम्मच हल्दी मिला कर चेहरे पर लगाए और 15 मिनट बाद चेहरे को धो डालें इस फेस पैक को लगाने पर स्किन को एंटी.बैक्टीरियल गुण भी मिलते हैं और यह त्वचा में निखार लाता है

लेखिका अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेष्ज्ञ है और हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय है

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

पश्चिम रेलवे के वड़ोदरा मंडल द्वारा गहन टिकट जांच

पश्चिम रेलवे द्वारा सभी वैध यात्रियों को सुगम, आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वड़ोदरा मंडल के लोकल ट्रेनों, मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों, पैसेंजर ट्रेनों तथा हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में बिना टिकट/अनियमित यात्रियों पर अंकुश लगाने हेतु निरंतर गहन टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं।

आज वड़ोदरा मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक की देखरेख में प्रेरित टिकट जांच दलों द्वारा विभिन्न ट्रेनों एवं स्टेशनों पर विशेष गहन टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना टिकट यात्रा करने वाले, अनियमित टिकट के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों तथा बिना बुक किए गए सामान के मामलों को पकड़ा गया।

इस विशेष अभियान के अंतर्गत कुल 141 मामलों से लगभग रु. 43,415 की अतिरिक्त आय रेलवे को प्राप्त हुई।

पश्चिम रेलवे यात्रियों से अपील करती है कि वे यात्रा से पूर्व सही टिकट अवश्य लें और रेल प्रशासन को सहयोग प्रदान करें। वैध टिकट के साथ यात्रा करना प्रत्येक यात्री का कर्तव्य है, जिससे सभी यात्रियों को सुविधाजनक एवं सुरक्षित यात्रा अनुभव प्राप्त हो सके।

भारत के रेलवे स्टेशन पर पहली बार: अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर उबर की पहली साझेदारी

यात्रियों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी और निर्बाध गतिशीलता

अहमदाबाद मंडल, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों को सुगम एवं सुरक्षित लास्ट माइल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की दिशा में अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर भारतीय रेल ने उबर, जो भारत का अग्रणी राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म है, के साथ एक महत्वपूर्ण साझेदारी की है। यह पहल उबर का भारत में किसी रेलवे स्टेशन पर पहला एकीकरण है और यात्री सुविधा के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित करती है।

मंडल रेल प्रवक्ता ने विस्तृत माहिती देते हुए बताया की, अहमदाबाद रेलवे स्टेशन, जो देश का सातवाँ सबसे बड़ा स्टेशन है, प्रतिदिन लगभग 1.2 लाख यात्रियों को सेवाएँ प्रदान करता है और वर्ष 2053 तक इसकी क्षमता 3 लाख यात्रियों प्रतिदिन तक पहुँचने का अनुमान है। इस सहयोग का उद्देश्य यात्रियों की गतिशीलता को और सुविधाजनक बनाना तथा यात्रा अनुभव को बेहतर करना है।

इस पहल के अंतर्गत उबर को स्टेशन परिसर के एक निर्धारित पार्किंग क्षेत्र का उपयोग दिया गया है, जो सीधे स्टेशन के मुख्य फुट-ओवर ब्रिज (ऋडइ) से जुड़ा हुआ है। यह एकीकृत व्यवस्था यात्रियों और ड्राइवरों दोनों के लिए सुगम एवं सुरक्षित पहुँच सुनिश्चित करती है तथा स्टेशन के प्रवेश और निकास पर भीड़-भाड़ को कम करती है।

यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर ऑन-ग्राउंड टीमें एवं सहायता सेवाएँ उपलब्ध कराई गई हैं, जिनके माध्यम से यात्री आसानी से उबर की सेवाएँ प्राप्त कर सकते हैं। इस व्यवस्था से जहाँ यात्रियों को विश्वसनीय और सुविधाजनक परिवहन उपलब्ध होगा, वहीं ड्राइवरों को भी अधिक यात्रा अवसर मिलेंगे।

यह साझेदारी भारतीय रेल की मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन को सुदृढ़ बनाने और यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएँ उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो सरकार की आधुनिक, कुशल और यात्री-अनुकूल रेलवे अवसंरचना की दृष्टि के अनुरूप है।

भावनगर मंडल के वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों की तत्परता से महिला यात्री को ₹75,000 कीमत की अंगूठी वापस मिली

पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल के कर्मचारी यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को हमेशा प्राथमिकता देते हैं। इसी क्रम में, भावनगर मंडल के वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों की तत्परता से एक महिला यात्री को खोई हुई सोने की अंगूठी सुरक्षित रूप से वापस मिली, जिसकी अनुमानित कीमत ₹75,000/- है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 22 सितम्बर, 2025 (सोमवार) को सतारा (महाराष्ट्र) की रहने वाली महिला यात्री वेरावल-जबलपुर एक्सप्रेस ट्रेन में वेरावल से जूनागढ़ के लिए स्लीपर कोच S3 में यात्रा कर रही थीं। जूनागढ़ पहुँचने पर उन्हें पता चला कि उनकी सोने की अंगूठी ट्रेन में कहीं छुट गई अथवा गिर गई है।

महिला यात्री ने टिकट निरीक्षक कार्यालय में मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक श्री हितेश चावड़ा को घटना की सूचना दी। तत्परता दिखाते हुए, उन्होंने ट्रेन में ऑन-ड्यूटी चल टिकट निरीक्षक श्री राहुल शर्मा से बात की तो श्री राहुल शर्मा ने महिला यात्री की सीट पर जाकर खोज की। उनके प्रयासों से अंगूठी वहीं मिली।

इसके बाद, दिनांक 23 सितम्बर, 2025 (मंगलवार) को श्री राहुल शर्मा ने ट्रेन नंबर 11466 से अंगूठी लाकर महिला यात्री को जूनागढ़ में सौंप दिया। महिला यात्री ने अपनी मनपसंद और मूल्यवान अंगूठी सुरक्षित रूप से प्राप्त होने पर भावनगर मंडल के इन दोनों कर्मचारियों और रेल प्रशासन का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों की इस सराहनीय कार्यवाही की सराहना करते हुए उन्हें बधाई और प्रोत्साहन दिया।

पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर-गोंडा सेक्शन और गोरखपुर-आनंद नगर सेक्शन पर ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की ट्रेनें प्रभावित

मुंबई,

गोरखपुर-गोंडा खंड में गोरखपुर-डोमिनगढ़ स्टेशनों के मध्य तीसरी लाइन के शुरू होने तथा पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर-आनंद नगर खंड में गोरखपुर-नकहा जंगल स्टेशनों के बीच दोहरीकरण कार्य के चलते 22 से 26 सितंबर, 2025 तक ब्लॉक लिया जाएगा।

उपर्युक्त ब्लॉक के कारण 28 सितंबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 05560 उधना-रक्सौल स्पेशल निरस्त रहेगी। इसी प्रकार, 27 सितंबर, 2025 को शुरू होने वाली ट्रेन संख्या 05559 रक्सौल-उधना स्पेशल निरस्त रहेगी।

सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा ने स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत 60 से अधिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए

इस प्रमुख अभियान में अब तक 30 हजार से अधिक महिलाओं की जांच की गई

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री द्वारा 17 सितंबर, 2025 को आरंभ किए गए केन्द्र सरकार के प्रमुख अभियान "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान" के कार्यान्वयन में सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा (एएफएमसी) ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए 60 से अधिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए हैं। सेना अस्पतालों के माध्यम से 23 सितंबर, 2025 तक लगभग 30 हजार महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई है। इनमें विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा स्वास्थ्य जांच और मधुमेह (डायबिटीज), उच्च रक्तचाप, स्तन, गर्भाशय ग्रीवा और मुख कैंसर जैसी गैर-संचारी बीमारियों की जांच के लिए विभिन्न चिकित्सा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। प्रसवपूर्व देखभाल, पोषण परामर्श और टीकाकरण तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल पर भी उचित ध्यान दिया जा रहा है।

अन्य स्वास्थ्य पहल में विभिन्न सेना मुख्यालयों और प्रशासनिक प्राधिकरण द्वारा मिलकर संचालित किए जा रहे मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता अभियान, किशोर अवस्था स्वास्थ्य सत्र और स्कूली बच्चों के लिए पोषण संबंधी सत्र शामिल हैं। इस अभियान का अभिन्न अंग रक्तदान शिविर और अंगदान तथा रक्तदान पर जागरूकता अभियान भी है। नागरिक और रक्षा स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का यह अनूठा समन्वय-स्वस्थ, सशक्त परिवार और एक सुदृढ़ राष्ट्र की आधारशिला के रूप में स्वस्थ महिला के रहने के सरकार के दृष्टिकोण को रेखांकित करता है।

केन्द्र सरकार का यह प्रमुख एकीकृत महिला एवं स्वास्थ्य परिवार कार्यक्रम जन-पहुंच के एक मॉडल के रूप में देश भर में लोकप्रिय हो रहा है। सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा का महिलाओं के स्वास्थ्य में योगदान-सेवाओं के अंतर्गत और सामुदायिक पहुंच के दृष्टिगत विकसित भारत 2047 का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो सैन्य चिकित्सा और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के बीच बेहतर समन्वय को दशार्ता है।

सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवाएं (एएफएमएस), अपने आदर्श वाक्य "सर्वे सन्तु निरामया" की प्रतिबद्धता के साथ इस अभियान को सक्रियता से संचालित कर रही है और इसके सुदृढ़ कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। एएफएमएस के अंतर्गत सैन्य अस्पताल, "संपूर्ण राष्ट्र" दृष्टिकोण के अनुरूप, सैन्य कर्मियों और उनके परिवारों के साथ ही जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के दूर-दराज के क्षेत्रों में नागरिक समुदाय के लिए डॉक्टरों, नर्सों और विशेषज्ञों की टीम के साथ निवारक, प्रोत्साहनात्मक और उपचारात्मक सेवाएं संचालित करने में अग्रणी रहे हैं।

25 और 26 सितंबर को रेलवे क्रॉसिंग नं. 10-SPL नरोड़ा GIDC फाटक बंद रहेगा

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के असारवा-हिम्मतनगर सेक्शन में डभोड़ा-नरोड़ा स्टेशनों के बीच स्थित रेलवे क्रॉसिंग संख्या 10 रढछ नरोड़ा GIDC फाटक किमी 399/2-3 मरम्मत एवं रखरखाव कार्य हेतु 25 सितंबर 2025 को प्रातः 08:00 बजे से 26 सितंबर 2025 को 20:00 बजे तक बंद रहेगा।

सड़क उपयोगकर्ता इस अवधि के दौरान रिंगरोड रोड ओवर ब्रिज (ROB) और नरोड़ा रोड ओवर ब्रिज (ROB) से आवागमन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल स्थित कोच केयर डिपो द्वारा स्वच्छता ही सेवा 2025 मनाया गया

मुंबई,

मुंबई सेंट्रल टीम ने स्क्रैप से लोकोमोटिव मॉडल तैयार कर सृजनशीलता और सतत विकास की मिसाल पेश की

मुंबई सेंट्रल स्थित कोच केयर सेंटर द्वारा नवपरिवर्तन और पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी का एक उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए एक अनूठी "बेस्ट फ्रॉम वेस्ट" पहल शुरू की गई है। इस टीम ने एक लोकोमोटिव का एक जटिल मॉडल सफलतापूर्वक तैयार किया है—जो पूरी तरह से बेकार और बेकार सामग्री से बनाया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह प्रेरक पहल न केवल मुंबई सेंट्रल टीम की असाधारण रचनात्मकता और शिल्प कौशल को दशार्ती है, बल्कि सतत विकास के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को भी दशार्ती है। अप्रयुक्त वस्तुओं को गर्व के प्रतीक के रूप में

पुनः उपयोग करके टीम ने रीसाइक्लिंग और संसाधनशीलता की अपार क्षमता का प्रदर्शन किया है। यह मॉडल अब कोच केयर सेंटर में गर्व से खड़ा है, जो "रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकल" के सिद्धांतों का प्रमाण है, जो दूसरों को अपने दैनिक कार्यों में पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

भारत सरकार के "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के अनुरूप, यह प्रयास इस शक्तिशाली संदेश को रेखांकित करता है कि नवाचार के नजरिए से कचरे को सार्थक और प्रेरणादायक बनाया जा सकता है। इस पहल को चारों ओर से सराहना मिली है और यह एक प्रेरक उदाहरण है कि कैसे रचनात्मकता और सामूहिक प्रयास से प्रेरित छोटे-छोटे कार्य पर्यावरण और समाज दोनों के लिए प्रभावशाली परिणाम ला सकते हैं।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा रेल कर्मचारियों के बच्चों के लिए निबंध, ड्रॉइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

मुंबई, पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन (WRWWO) की कार्यकारी समिति द्वारा पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष श्रीमती नीना गुप्ता के नेतृत्व में मुंबई के चर्चगेट स्थित गोडबोले हॉल में पश्चिम रेलवे मुख्यालय के रेल कर्मचारियों के बच्चों के लिए 14 सितंबर, 2025 को निबंध प्रतियोगिता और 21 सितंबर, 2025 को ड्रॉइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। दोनों प्रतियोगिताओं में 150 से अधिक बच्चों ने पूरे उत्साह और लगन से भाग लिया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निबंध और ड्रॉइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिताएँ मुख्यालय सहित पश्चिम रेलवे के सभी मंडलों में एक ही दिन आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं के विषय आयु वर्ग के अनुसार सभी मंडलों में एक समान थे, जिससे एकरूपता सुनिश्चित हुई। इन प्रतियोगिताओं को सभी मंडलों में भारी प्रतिक्रिया मिली, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया और प्रतिभागियों ने उच्च स्तर की रचनात्मकता और कल्पनाशीलता का प्रदर्शन किया।

पहली तस्वीर में पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन (WRWWO) की अध्यक्षा श्रीमती नीना गुप्ता 14 सितंबर, 2025 को आयोजित निबंध प्रतियोगिता के प्रतिभागियों के साथ दिखाई दे रही हैं। दूसरी और तीसरी तस्वीरें 22 सितंबर, 2025 को आयोजित ड्रॉइंग और पेंटिंग प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले बच्चों की झलकियाँ हैं।

निबंध प्रतियोगिता के लिए 6-9 वर्ष आयु वर्ग के लिए विषय थे - मेरा पसंदीदा व्यंजन या मेरे दादा-दादी के घर पर एक मजेदार दिन। 10-12 वर्ष आयु वर्ग के लिए विषय थे - मैं अपना रविवार कैसे बिताता हूं या मेरा पसंदीदा भारतीय त्योहार। 13-15 वर्ष आयु वर्ग के लिए विषय थे - क्या एआई भविष्य के लिए खतरा बनेगा या लाभदायक? या 2047 में भारत के बारे में मेरा विजन। ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता के लिए 6-9 वर्ष आयु वर्ग के के लिए विषय थे - पारिवारिक सैर या मेरा पसंदीदा जानवर। 10-12 वर्ष आयु वर्ग के लिए विषय थे - मेरा सुपर हीरो या अंतरिक्ष यान या अंतरिक्ष यात्री। 13 से 15 वर्ष आयु वर्ग के लिए विषय थे - आपकी पसंद का त्योहार (उत्सव) या जानवरों के साथ जंगल का दृश्य।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती नीना गुप्ता और अन्य कार्यकारी सदस्यों ने बच्चों की भागीदारी और रचनात्मकता की सराहना की। प्रशंसा स्वरूप, सभी बच्चों को पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा की ओर से उपहार प्रदान किए गए। क्षेत्रीय स्तर के विजेताओं को एक साथ समूहबद्ध किया जाएगा और चयनित विजेता भारतीय रेल के सभी प्रतिभागियों में से राष्ट्रीय स्तर के विजेता बनेंगे।

अहमदाबाद स्टेशन पुनर्विकास में बड़ी उपलब्धि: प्लेटफार्म 8/9 पर सबस्ट्रक्चर का काम रिकॉर्ड 70 दिनों में पूरा किया

सबस्ट्रक्चर कार्य में इतनी सामग्री का उपयोग किया जिससे आठ ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स बनाए जा सकते हैं

प्लेटफॉर्म 8 ट्रेन संचालन हेतु पुनः शुरूः नवजीवन एक्सप्रेस, एसी डबल डेकर एक्सप्रेस, गुजरात क्वीन एक्सप्रेस और गुजरात सुपरफास्ट एक्सप्रेस पुनः अहमदाबाद से प्रारम्भ

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य में रेल भूमि विकास प्राधिकरण (फ्छऊअ) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह परियोजना अहमदाबाद शहर को एक अत्याधुनिक, विश्वस्तरीय स्टेशन प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है, जिसमें यात्रियों को हवाई अड्डे जैसी सुविधाएं मिलेंगी और उनका स्टेशन पर अनुभव पूरी तरह बदल जाएगा।

इस परियोजना के तहत, 5 जुलाई 2025 से प्लेटफॉर्म नंबर 8 और 9 पर 70 दिनों का मेगा ब्लॉक लिया गया था, ताकि एक विशाल कांक्रीट कॉन्कोर्स का निर्माण किया जा सके, जिसकी लंबाई 503 मीटर और चौड़ाई 140 मीटर है। यह कॉन्कोर्स प्लेटफॉर्म नंबर 1 से 9 तक फैला हुआ है और इसका उद्देश्य यात्रियों को सभी प्लेटफॉर्मों पर निर्बाध आवाजाही की सुविधा देना है।

इस ब्लॉक के दौरान प्लेटफॉर्म 8 और 9 पर सब-स्ट्रक्चर निर्माण का कार्य रिकॉर्ड 70 दिनों में पूरा किया गया, जो भारतीय रेलवे के इतिहास में पहली बार इतने बड़े स्तर पर इतनी कुशलता और समयबद्धता के साथ किया गया है। इस दौरान कुल 146 पाइल, 38 पाइल कैप और 76 पेडेस्टल तैयार किए गए। 4,800 घन मीटर कंक्रीट और 510 मीट्रिक टन स्टील का इस्तेमाल हुआ। इसके अलावा, 4 लिफ्ट पिट और 4 एस्केलेटर पिट भी बनाए गए।

इस निर्माण की गुणवत्ता और परिमाण का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इतनी सामग्री से आठ ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स बनाए जा सकते हैं। इस कार्य में एक खास पाइल कैप (40 मीटर ७ 8 मीटर आकार का) भी शामिल है, इसमें 20 पाइल, 10 पेडेस्टल और 2 लिफ्ट पिट शामिल हैं। यह संरचना आने वाले समय में बनने वाले कॉन्कोर्स की मजबूती और टिकाऊपन की नींव बनेगी।

सब-स्ट्रक्चर निर्माण कार्य के बाद प्लेटफॉर्म 8 को ट्रेनों के संचालन हेतु पुनः खोला गया है, जिससे नवजीवन एक्सप्रेस, एसी डबल डेकर एक्सप्रेस, गुजरात क्वीन एक्सप्रेस और गुजरात सुपरफास्ट एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनों को अन्य स्टेशनों से वापस अहमदाबाद स्टेशन पर स्थानांतरित किया गया है। इससे यात्रियों को वटवा, मणिनगर, या आसारवा जैसे वैकल्पिक स्टेशनों पर जाने की आवश्यकता नहीं रहेगी।

प्लेटफॉर्म 8 पर अस्थायी रूप से यात्रियों की सुविधा हेतु कवर शेड, पेयजल व्यवस्था, साइन बोर्ड इत्यादि मूलभूत सुविधाएं विकसित की गई हैं। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्माण के दौरान स्टेशन के दक्षिणी क्षोर पर एक नया 6 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज भी बनाया गया है, जिसे मौजूदा लिफ्ट से जोड़ा गया है ताकि प्लेटफार्मों के बीच सुगम आवाजाही सुनिश्चित हो सके।

पश्चिम रेलवे और फ्छऊअ इस ऐतिहासिक परियोजना को समय पर, सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं। यह पुनर्विकास न सिर्फ अहमदाबाद शहर के लिए, बल्कि देशभर के रेलवे यात्रियों के लिए एक नई मिसाल पेश करेगा।

महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे ने वडोदरा मंडल के दो कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया

रेलवे के संचालन में संरक्षा सर्वोपरि होती है और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक कर्मचारी की सजगता एवं सतर्कता अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने वडोदरा मंडल के दो रेल कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया। ये पुरस्कार अगस्त 2025 के दौरान ड्यूटी पर रहते हुए सतर्कता दिखाने और संभावित दुर्घटनाओं को समय रहते टालने में अहम भूमिका निभाने के लिए प्रदान किए गए।

पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारी (1) श्री लक्ष्मी नारायण, पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के 'टिंबा रोड' में (ट्रैकमैन क),के पद पर कार्यरत हैं। दिनांक 25.07.25 को लाइन गश्ती के दौरान समय 8:50 पर किलोमीटर 56 /21 -23 के अप लाइन में जाते समय उन्होंने देखा की पटरी में क्रैक है उन्होंने अपने साथी कीमैन को दिखाया और कीमैन से इसकी पुष्टि कराई तभी कीमैन को पता था कि गोधरा आनंद मेमू का आने का समय है उन्होंने लाल झंडी एवं पटाखा लेकर गाड़ी की तरफ भागे इसी दौरान उन्होंने गेटमैन के द्वारा स्टेशन मास्टर को सूचना दी और सूचना देकर गाड़ी को खड़ा करवाया उसके बाद साथी कर्मचारी और उन्होंने मिलकर ॅ्ॅ पाटा और ्रेस्र बांधकर लाइन को सुरक्षित किया और गाड़ी को रोक कर और 10 ेस्र के गति प्रतिबंध से पास कराया ।

इस प्रकार श्री नारायणने सतर्क रहकर एक असामान्य घटना को टाला और रेलवे संपत्ति को बड़े नुकसान से बचाया।

(2) श्री रतनसिंह वागलाभाई मुढेल 'गोधरा' में (ट्रैकमैन क्क्क), के पद पर कार्यरत हैं। दिनांक 14.08.2025 को श्री रतनसिंह वागलाभाई मुढेल छउ-38 पर गेटमैन के रूप में काम करते समय उन्होंने मालगाड़ी के इंजन से धुआं निकलते देखा। उन्होंने ट्रेन को लाल झंडी दिखाई और तुरंत स्टेशन मास्टर झ खरसालिया को 08:42 बजे सूचित किया। स्टेशन मास्टर ने ट्रेन रोक दी और इंजन अलग करके ट्रेन को रवाना कर दिया।

उनकी सतर्कता और त्वरित कार्यवाही ने एक संभावित गंभीर दुर्घटना को टाल दिया और रेलवे संपत्ति को बड़े नुकसान से बचाया।

महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों की सतर्कता की सराहना करते हुए कहा कि ये सभी कर्मचारी अपने कार्य के प्रति समर्पित रहकर दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं। इन कर्मचारियों ने संरक्षा के विविध क्षेत्रों जैसे कि कोच/इंजन के नीचे धुएँ और चिंगारी का पता लगाना, ट्रैक में फ्रैक्चर आदि में सक्रिय योगदान देकर ट्रेनों का सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने में अपना अदम्य उत्साह और प्रतिबद्धता दिखाई।

पश्चिम रेलवे को अपने ऐसे कर्मचारियों पर गर्व है, जो विषम परिस्थितियों में भी धैर्य और समझदारी के साथ कार्य करते हैं और रेल संचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत प्रयासों की सराहना है, बल्कि यह पश्चिम रेलवे की उस संस्कृति को भी प्रतिबिंबित करता है, जहाँ संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग और भारतीय खाद्य निगम ने खाद्यान्न प्रबंधन को मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

(जीएनएस)।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने आज नई दिल्ली में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते में खाद्यान्न प्रबंधन में अधिक दक्षता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के लिए कार्य निष्पादन मापदंड और आधुनिकीकरण लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

इस समझौता ज्ञापन से, सरकार ने सब्सिडी संचालन में प्रणाली-आधारित दृष्टिकोण और प्रौद्योगिकी-संचालित समाधान अपनाने की अपनी रणनीति सुदृढ़ की है। यह समझौता भंडारण हानियों को कम करने, भंडारण क्षमता के उपयोग में सुधार, रसद और आपूर्ति श्रृंखला के प्रदर्शन को बेहतर बनाने और गुणवत्ता नियंत्रण को सुदृढ़ करने पर जोर देता है। इसमें प्रक्रियाओं के व्यापक डिजिटलीकरण और संचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए आधुनिक आईटी के उपयोग की भी परिकल्पना की गई है, जिसे एफसीआई कर्मचारियों के लिए समर्पित क्षमता-

निर्माण कार्यक्रमों द्वारा समर्थित किया जाएगा।

खाद्य निगम अधिनियम, 1964 के तहत, 1965 में स्थापित भारतीय खाद्य निगम, देश के खाद्य सुरक्षा ढांचे में एक केंद्रीय भूमिका निभाता है। खाद्यान्नों की खरीद, भंडारण, संचलन और वितरण का कार्यभार संभालते हुए, भारतीय खाद्य निगम भारत सरकार की ओर से एक सार्वजनिक सेवा एजेंसी के रूप में कार्य करता है। इसकी गतिविधियों का पूरा वित्तपोषण सरकार द्वारा जारी खाद्य सब्सिडी से होता है, जिससे यह आवश्यक हो जाता है कि सार्वजनिक धन का प्रबंधन अधिकतम पारदर्शिता और लागत-प्रभावी रूप से किया जाए।

मापनीय वार्षिक लक्ष्य निर्धारित करके, यह समझौता ज्ञापन भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई)) के कामकाज के लिए एक परिणाम-उन्मुख ढाँचा प्रस्तुत करता है। यह खाद्यान्न प्रबंधन को आधुनिक बनाने और यह सुनिश्चित करने के सरकार के व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है कि खाद्य सब्सिडी पर खर्च किया गया प्रत्येक रुपया अधिकतम मूल्य प्रदान करे। इस कदम के साथ, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी)) और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) देश के लिए एक अधिक कुशल, पारदर्शी और सुदृढ़ खाद्य सुरक्षा प्रणाली बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

बिहार ने प्रधानमंत्री स्मृति चिन्हों में बहुमूल्य 40 लोक कलाओं का प्रदर्शन किया

(जीएनएस)।

इस वर्ष, बिहार की सांस्कृतिक विरासत को प्रधानमंत्री स्मृति चिन्ह ई-नीलामी के 7वें संस्करण में राष्ट्रीय मंच के तौर पर स्थान मिला है, जहां मधुबनी और सिक्की कला के अद्भुत उदाहरणों सहित राज्य की 40 विशिष्ट वस्तुएं नीलामी के लिए रखी गई हैं।

प्रधानमंत्री स्मृति चिन्ह ई-नीलामी का आयोजन संस्कृति मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय, दिल्ली के माध्यम से किया जाता है। वर्ष 2019 में अपनी शुरूआत से ही, यह नीलामी नागरिकों को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को भेंट किए गए स्मृति चिन्हों को खरीदने के लिए आमंत्रित करती रही है। हर वर्ष, लोक कला और हस्तशिल्प से लेकर खेल स्मृति चिन्हों तक, हजारों चुनिंदा उपहारों की नीलामी की जाती है। नीलामी से प्राप्त धनराशि का पवित्र गंगा नदी को समर्पित नमामि गंगे परियोजना में योगदान के रूप में उपयोग किया जाता है।

बिहार की कलात्मक विशेषताएं:

भगवान कृष्ण और गोपियों की मधुबनी पेंटिंग: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेंट की गई यह मधुबनी पेंटिंग नीलामी के लिए रखी गई है। यह कलाकृति भगवान कृष्ण के साथ गोपियों के सानिध्य की सुंदरता को दर्शाने के साथ-साथ दिव्य प्रेम, आनंद और आध्यात्मिक सद्भाव के विषयों को प्रस्तुत करती है। बिहार के मिथिला क्षेत्र में बनी, मधुबनी पेंटिंग अपनी स्थूल रेखाओं, विशिष्ट पैटर्न और प्राकृतिक रंगों के उपयोग के लिए प्रसिद्ध है और यह सभी विशेषताएं इस उत्कृष्ट कृति में स्पष्ट हैं। हर कौशल

भारतीय लोक कला की समृद्ध परंपरा को दर्शाती है, जहां पौराणिक कथाओं को सूक्ष्म विवरण और जीवंत रंगों के माध्यम से जीवंत किया जाता है। यह पेंटिंग न केवल कृष्ण के प्रति सदियों पुरानी भक्ति का प्रतीक है, बल्कि भारत की स्थायी सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उदाहरण भी है। अब नीलामी के लिए प्रस्तुत, यह कला की एक कालातीत कृति को प्राप्त करने का एक दुर्लभ अवसर प्रस्तुत करती है जो गहन आध्यात्मिकता और कलात्मक प्रतिभा दोनों से प्रतिध्वनित होती है। अभी बोली लगाएं।

मिथिला पेंटिंग में कमल और शिव लिंगम के साथ एक महिला को दर्शाया गया है:

नीलामी के लिए यह जीवंत स्मृति चिन्ह है, एक खूबसूरत मिथिला पेंटिंग जो कभी प्रधानमंत्री को भेंट की गई थी। पोस्टर के रंगों का उपयोग करके कागज पर बनाई गई यह कलाकृति विशिष्ट मिथिला कला रूप को प्रदर्शित करती है, जिसे मधुबनी पेंटिंग के रूप में भी जाना जाता है, जिसका उद्भव भारत के बिहार के मिथिला क्षेत्र में हुआ था। पेंटिंग में एक महिला को कमल का फूल पकड़े हुए दिखाया गया है, उसके साथ एक शिव लिंगम है, जो भगवान शिव का प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व है। मिथिला पेंटिंग अपने जटिल रेखा चित्रों के लिए प्रसिद्ध हैं जो जीवंत रंगों और पारंपरिक पैटर्न से परिपूर्ण होते हैं, जिनमें अक्सर हिंदू देवी-देवताओं, प्रकृति और दैनिक जीवन को दर्शाया जाता है। भूरे रंग के बनावट वाले फ्रेम में सजी यह कृति भारत की समृद्ध लोक कला परंपराओं का प्रमाण है।

भगवान राम और सीता का सिक्की आर्ट फ्रेम: नीलामी के लिए उपलब्ध एक फ्रेम है, जिसमें भगवान राम और सीता की एक सुंदर और उत्कृष्ट कलाकृति है, जिसे बिहार की पारंपरिक सिक्की कला शैली में निष्पादित किया गया है। दरभंगा से बिहार विधान सभा के सदस्य संजय सरावगी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेंट की गई थी। यह पेंटिंग एक गहरे रंग की पृष्ठभूमि पर बनाई गई है और दिव्य युगल को सुनहरे रंगों में प्रदर्शित करती है, जो एक अद्भुत विरोधाभास का सृजन करती है। हिंदू देवता भगवान राम को उनके धनुष और बाण के साथ चित्रित किया गया है, जो उनकी शक्ति और धार्मिकता का प्रतीक है और अनुग्रह और सौंदर्य से परिपूर्ण सीता जी को उनके सानिध्य में दिखाया गया है। उनके परिधानों का उत्कृष्ट विवरण और उनके शरीर को सुशोभित करने वाले सौम्य डिजाइन कलाकार के कौशल और शिल्प कौशल का प्रमाण हैं। बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाने वाली भारतीय कला के इस बहुमूल्य सिक्के की कला शैली को अपना बनाने के लिए, बोली लगाएं।

इन वस्तुओं के अलावा, बिहार संग्रह में पौराणिक कथाओं, त्योहारों, रीति-रिवाजों और सामुदायिक परंपराओं पर आधारित कलाकृतियां भी शामिल हैं, जिन्हें इस क्षेत्र की विशिष्ट समप्रमाण और रंगीन शैलियों में प्रस्तुत किया गया है। स्थानीय महिलाओं और समुदायों द्वारा आज भी प्रचलित ये चित्रकारी जीवंत विरासत की प्रतीक हैं जो मौखिक आख्यानों और सामाजिक स्मृति को संरक्षित करती हैं।

नीलामी की जाने वाली वस्तुएं 2 अक्टूबर, 2025 तक एनजीएमए, दिल्ली में सार्वजनिक रूप से अवलोकन के लिए तथा pmmementos.gov.in पर ऑनलाइन बोली लगाने के लिए उपलब्ध हैं।

मिशन मौसम पहल के अंतर्गत एनसीएमआरडब्ल्यूएफ ने भारत में दो प्रत्यक्ष प्रसारण नेटवर्क (डीबीनेट) स्टेशन स्थापित करने के लिए एनएसआईएल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

उद्देश्य मौसम पूर्वानुमान एवं वैश्विक जलवायु निगरानी को मजबूत करना है

(जीएनएस)।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), भारत सरकार के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (एनसीएमआरडब्ल्यूएफ) ने आज पृथ्वी भवन, नई दिल्ली में अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) की वाणिज्यिक शाखा, न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की मिशन मौसम पहल के भाग के रूप में दो प्रत्यक्ष प्रसारण नेटवर्क (डीबीनेट) स्टेशन स्थापित करना है, जिसमें पहला दिल्ली/एनसीआर में और दूसरा चेन्नई में स्थापित करना है।

डीबीनेट एक वैश्विक परिचालन संरचना है जिसे निम्न पृथ्वी कक्षा (एलईओ) उपग्रहों से वास्तविक समय में उपग्रह डेटा अधिग्रहण के लिए डिजाइन किया गया है। यह संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान (एनडब्ल्यूपी) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और मौसम पूर्वानुमान, चक्रवात निगरानी एवं जलवायु अनुसंधान सहित कई प्रकार के अनुप्रयोगों का समर्थन करता है। प्रसारण के कुछ ही मिनटों के अंदर उपग्रह संकेतों को सीधे प्राप्त एवं संसाधित करके, डीबीनेट स्टेशन त्वरित डेटा उपलब्धता सुनिश्चित करता है, जिससे मौसम पूर्वानुमान एवं संबंधित सेवाओं की सटीकता तथा समयबद्धता में उल्लेखनीय सुधार होता है।

प्रस्तावित डीबीनेट स्टेशन ओशनसैट, एनओएए और मेटऑप सहित विभिन्न मौजूदा भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी अवलोकन प्रणाली

(ईओएस) उपग्रहों से सीधे प्रसारण डेटा प्राप्त करने में सक्षम होंगे। इस प्रणाली को मापनीय बनाया गया है जिससे अगली पीढ़ी के ईओएस उपग्रह डेटा रिसेप्शन का भविष्य में एकीकरण संभव हो सकेगा।

मुख्य लाभ:

एनडब्ल्यूपी के लिए समयबद्धता: डीबीनेट का प्राथमिक लाभ एलईओ उपग्रह डेटा की लगभग वास्तविक समय पर उपलब्धता है, जो उच्च-रिजॉल्यूशन, लघु से मध्यम-दूरी के मौसम पूर्वानुमान तैयार करने के लिए आवश्यक है।

डेटा विलंबता में सुधार: पारंपरिक उपग्रह डेटा अधिग्रहण विधियों के विपरीत, जिसमें केंद्रीय जमीनी स्टेशनों पर विलंबित प्रसारण शामिल है, डीबीनेट उपग्रहों के ऊपर से गुजरते समय सीधे डेटा प्राप्त कर लेता है जिससे विलंबता संबंधी समस्याओं पर काबू पाया जा सकता है और तेजी से डेटा वितरण संभव हो सकता है।

तीव्र प्रासेसिंग: एनसीएमआरडब्ल्यूएफ उपग्रह के उपर से गुजरने के 5 मिनट के अंदर संपूर्ण डेटा प्रासेसिंग श्रृंखला को पूरा कर लेगा, जिससे इन डेटासेटों को समय पर पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के एनडब्ल्यूपी मॉडल में सम्मिलित किया जा सकेगा, जिससे व्यापक स्तर पर पूर्वानुमान लगाया जा सकेगा।

वैश्विक योगदान: विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की मुख्य उपग्रह डेटा नीति के अनुरूप, संसाधित डीबीनेट डेटा को डब्ल्यूएमओ की अगली पीढ़ी के डेटा एक्सचेंज प्लेटफॉर्म, डब्ल्यूएमओ सूचना प्रणाली - 2.0 (डब्ल्यूआईएस 2.0) के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय परिचालन उपयोगकर्ताओं तक प्रसारित किया जाएगा। इससे वैश्विक डीबीनेट कवरेज में सुधार लाने और 30 मिनट के भीतर ईओएस उपग्रह डेटा की अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धता बढ़ाने में भारत का योगदान मजबूत होगा।

इस पहल के माध्यम से भारत क्षेत्रीय एवं वैश्विक मौसम पूर्वानुमान क्षमताओं को आगे बढ़ाने तथा मौसम पूर्वानुमान एवं जलवायु निगरानी में अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का समर्थन करने तथा आपदा जोखिम में कमी लाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

दूरसंचार विभाग के एनसीसीएस ने कॉमसेक स्कीम के तहत आईपी राउटरों की सुरक्षा जांच के लिए एक और दूरसंचार सुरक्षा परीक्षण प्रयोगशाला को नामित किया

भारत में नामित टीएसटीएल की संख्या अब बढ़कर 9 हो गई है, जो कर्नाटक, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और महाराष्ट्र में स्थित हैं

(जीएनएस)।

देश के दूरसंचार सुरक्षा परीक्षण इको-सिस्टम को एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन के रूप में दूरसंचार विभाग के तहत राष्ट्रीय संचार सुरक्षा केंद्र (एनसीसीएस) ने संचार सुरक्षा प्रमाणन (कॉमसेक) स्कीम के अंतर्गत आईपी राउटरों के परीक्षण के लिए मेसर्स कंप्लायंस इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड , नोएडा, उत्तर प्रदेश को दूरसंचार सुरक्षा परीक्षण प्रयोगशाला (टीएसटीएल) के रूप में नामित किया है।

इसके साथ ही, भारत में नामित टीएसटीएल की संख्या बढ़कर नौ (9) हो गई है। ये टीएसटीएल कर्नाटक, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और महाराष्ट्र में स्थित हैं। ये प्रयोगशालाएं पूरे भारत में पहुंच प्रदान करती हैं, जिससे ओईएम, आयातकों और सेवा प्रदाताओं को अपने व्यावसायिक केंद्रों के निकट, त्वरित और अधिक लागत प्रभावी अनुपालन परीक्षण करने में मदद मिलती है।

नामित प्रयोगशालाओं को दूरसंचार उपकरणों की 27 श्रेणियों के लिए सुरक्षा परीक्षण करने का अधिकार है, जिनमें आईपी राउटर, वाई-फाई सीपीई, ऑप्टिकल लाइन टर्मिनल (ओएलटी), ऑप्टिकल नेटवर्क टर्मिनल (ओएनटी), और 5जी कोर के 23 नेटवर्क फंक्शन शामिल हैं। इन प्रयोगशालाओं में कई दूरसंचार उत्पादों का सुरक्षा परीक्षण पहले से ही चल रहा है। नामित प्रयोगशालाओं और उन्हें सौंपी गई उपकरण श्रेणियों की पूरी सूची एनसीसीएस पोर्टल: https://nccs.gov.in/home/labs पर उपलब्ध है।

यह नवीनतम उपलब्धि भारत को दूरसंचार सुरक्षा परीक्षण और प्रमाणन के लिए एक वैश्विक हब बनाने के सरकार के विजन को साकार करने की दिशा में एक और कदम है।

दूरसंचार सुरक्षा में एनसीसीएस की भूमिका

भारत सरकार के दूरसंचार विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय संचार सुरक्षा केंद्र (एनसीसीएस) को 'संचार सुरक्षा प्रमाणन योजना (कॉमसेक)' नामक स्कीम के तहत भारत में दूरसंचार/आईसीटी उत्पादों के लिए सुरक्षा परीक्षण और प्रमाणन की संरचना को प्रचालनगत करने का अधिदेश दिया गया है। यह स्कीम व्यापक 'दूरसंचार उपकरणों के अनिवार्य परीक्षण और प्रमाणन (एमटीसीटीई)' नियमावली के अंतर्गत आती है, जिन्हें सितंबर 2017 में तकनीकी विनियमनो के रूप में सुरक्षा परीक्षण के साथ अधिसूचित किया गया था। इन नियमों को अब दिनांक 16 मई 2025 के दूरसंचार (मानकों को अधिसूचित करने के लिए ढांचा, अनुरूपता मूल्यांकन और प्रमाणन) नियमावली, 2025 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है। यह स्कीम प्रत्येक ओईएम/आयातकर्ता/डीलर को, जो भारत में किसी भी दूरसंचार उपकरण को बेचना, आयात करना या उपयोग करना चाहता है, अपने उपकरणों का सुरक्षा परीक्षण और प्रमाणन इस योजना के तहत करवाना अनिवार्य बनाती है।

प्रधानमंत्री 25 सितंबर को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में विश्व खाद्य भारत-2025 का उद्घाटन करेंगे

विश्व खाद्य भारत सिर्फ एक व्यापार मेला नहीं है, बल्कि यह भारत को खाद्य नवाचार, निवेश और स्थिरता के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने का एक परिवर्तनकारी मंच है: चिराग पासवान

(जीएनएस)।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय 25 से 28 सितंबर 2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में विश्व खाद्य भारत 2025 के चौथे संस्करण की मेजबानी करेगा। भारत मंडपम में आयोजित होने वाले इस विशाल वैश्विक खाद्य आयोजन में 21 से ज्यादा देश, 21 भारतीय राज्य/केंद्र शासित प्रदेश, 10 केंद्रीय मंत्रालय और 5 संबद्ध सरकारी संगठन भाग लेंगे, जिससे यह भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में हितधारकों का सबसे बड़ा सम्मेलन बन जाएगा।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 25 सितंबर, 2025 को शाम 6:00 बजे करेंगे। उद्घाटन सत्र में रूस के संघ के उप-प्रधानमंत्री श्री दिमित्री पात्रुशेव, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं रेल राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू भी उपस्थित रहेंगे।

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान ने इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि विश्व खाद्य भारत केवल एक व्यापार मेला नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को खाद्य नवाचार, निवेश और स्थिरता के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने का एक परिवर्तनकारी मंच है।

यह आयोजन दीर्घकालिक, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार खाद्य प्रणालियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है और विश्व के खाद्य भंडार के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करता है।

विश्व खाद्य भारत 2025 की मुख्य विशेषताएं:

साझेदार देश: न्यूजीलैंड और सऊदी अरब

फोकस देश: जापान, रूस, संयुक्त अरब अमीरात और वियतनाम

भागीदारी: 1700+ प्रदर्शक, 500+ अंतर्राष्ट्रीय खरीदार और 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि

45 से अधिक ज्ञान सत्र, जिनमें विषयगत चर्चाएं, राज्य और देश-विशिष्ट सम्मेलन, और 100 से अधिक वैश्विक कृषि-खाद्य नेताओं के साथ सीएक्सओ गोलमेज बैठकें शामिल हैं

समानांतर कार्यक्रम

तीसरा वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन (एफएसएसएआई) - वैश्विक खाद्य सुरक्षा मानकों के सामंजस्य को बढ़ावा देने के लिए

24वां भारत अंतर्राष्ट्रीय सीफूड शो (एसईएआई)- भारत की सीफूड निर्यात क्षमता को उजागर करने के लिए

रिवर्स क्रेता-विक्रेता मीट (एपीडा)- 1000 से अधिक क्रेताओं की भागीदारी के साथ

विशेष प्रदर्शनियां, अंतर्राष्ट्रीय मंडप, राज्य और मंत्रालय मंडप, पालतू पशु आहार मंडप, प्रौद्योगिकी मंडप और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय स्टार्ट-अप नवाचार मंडप

इस वर्ष का संस्करण पांच मुख्य स्तंभों पर आधारित है:

स्थिरता और शुद्ध शून्य खाद्य प्रसंस्करण

भारत एक वैश्विक खाद्य प्रसंस्करण केंद्र के रूप में

खाद्य प्रसंस्करण, उत्पाद और पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों में अग्रणी

पोषण, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए भोजन

पशुधन और समुद्री उत्पाद भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति दे रहे हैं

इसके अलावा, श्री चिराग पासवान ने "खाद्य प्रसंस्करण की विभिन्न अवधारणाओं पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न" शीर्षक से एक प्रकाशन का भी विमोचन किया। उद्योग के हितधारकों के परामर्श से तैयार की गई इस पहल का उद्देश्य प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना और उपभोक्ताओं के बीच सूचित विकल्पों को प्रोत्साहित करने के लिए विज्ञान-आधारित जानकारी प्रदान करना है।

मंत्रालय ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, मत्स्य पालन विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, एमएसएमई मंत्रालय, एपीडा, एमपीडा और कमोडिटी बोर्ड सहित विभिन्न सरकारी मंत्रालयों, विभागों और संगठनों के बहुमूल्य योगदान की सराहना की।

रक्षा मंत्री ने पहिएदार बख्तरबंद प्लेटफॉर्म के उत्पादन के लिए मोरक्को में टीएएसएल के रक्षा विनिर्माण सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और मोरक्को के रक्षा मंत्री श्री अब्देलतीफ लौदी ने 23 सितंबर, 2025 को मोरक्को के बेरेकिड में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) के अत्याधुनिक रक्षा विनिर्माण सुविधा केंद्र का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर को भारत और मोरक्को के बीच विकसित हो रही रणनीतिक साझेदारी में एक ऐतिहासिक क्षण बताया। 20,000 वर्ग मीटर में फैला यह सुविधा केंद्र स्वदेशी रूप से विकसित व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म (डब्ल्यूएचएपी) 8x8 का उत्पादन करेगा, जिसे टीएएसएल और भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा संयुक्त रूप से डिजाइन किया गया है।

डब्ल्यूएचएपी एक आधुनिक मॉड्यूलर लड़ाकू प्लेटफॉर्म है जो उन्नत गतिशीलता, सुरक्षा और मिशन अनुकूलन क्षमता से सुसज्जित है। इसकी विशेषताएं जैसे कि स्केलेबल बैलिस्टिक और माइन प्रोटेक्शन के साथ टिकाऊ मोनोकॉक हल, स्वतंत्र सस्पेंशन, सेंट्रल टायर इन्फ्लेशन सिस्टम और उच्च-शक्ति इंजन, बेहतरीन ऑफ-रोड प्रदर्शन सुनिश्चित करते हैं। इस प्लेटफॉर्म में पैदल सेना लड़ाकू वाहन, बख्तरबंद कार्मिक वाहक, टोही, कमांड पोस्ट, मोर्टार वाहक और यहां तक कि विभिन्न प्रकार के एम्बुलेंस भी शामिल हैं। मानवयुक्त या मानवरहित रिमोट हथियार स्टेशनों और एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल क्षमता के विकल्प इसकी मारक क्षमता को और बढ़ाते हैं।

मोरक्को सरकार के साथ अपने अनुबंध के तहत, टीएएसएल रॉयल मोरक्को आर्मी को डब्ल्यूएचएपी 8x8 वाहन प्रदान करेगी, जिसकी शुरूआती डिलीवरी अगले महीने से शुरू होने वाली है। यह सुविधा केंद्र निर्धारित समय से तीन महीने पहले ही प्रचालनगत हो गया है और उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है। यह मोरक्को का सबसे बड़ा रक्षा निर्माण सुविधा केंद्र है, जो अफ्रीका में किसी भारतीय निजी कंपनी द्वारा स्थापित ऐसा पहला संयंत्र है।

इस अवसर पर श्री राजनाथ सिंह ने रेखांकित किया कि भारत का आत्मनिर्भर भारत का विजन केवल अपनी आवश्यकताओं के लिए विनिर्माण करना नहीं है, बल्कि ऐसी क्षमताएं विकसित करना है जो भारत को विश्व के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी और उच्च-गुणवत्ता वाले उत्पादों का एक विश्वसनीय स्रोत बनने में सक्षम बनाएं।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने दिल्ली के आईएचबीएएस में सुविधाओं की कमी के कारण एक नवजात शिशु की कथित मृत्यु के मामले पर स्वतः संज्ञान लिया

बच्चे का जन्म उस संस्थान के शौचालय में हुआ था जहां मां को न्यायालय के आदेश के बाद भर्ती कराया गया था

दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने उस मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया है जिसमें बताया गया है कि एक बेसहारा मरीज के बच्चे की सरकारी मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (आईएचबीएएस) के शौचालय में प्रसव के बाद सुविधाओं के अभाव में मृत्यु हो गई। उसे न्यायालय के आदेश के बाद 7 सितंबर, 2025 को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया जा रहा है कि अस्पताल के कर्मचारियों को गर्भनाल काटने के लिए क्लैंप लगाने में भी काफी समय लगा। उसके बाद उन्हें एम्बुलेंस से नजदीक के स्वामी दयानंद अस्पताल ले जाया गया। लेकिन, बच्चे की जान नहीं बचाई जा सकी।

आयोग ने पाया है कि मीडिया रिपोर्ट में दी गई जानकारी यदि सत्य है तो यह मानवाधिकार उल्लंघन का गंभीर मुद्दा है।